

विषय सूची

| | | | |
|--|--------------|---|-----------|
| पर्यावरण, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण तंत्र | 1-9 | 3. मरूस्थल पारितंत्र | 19 |
| भूमिका | 1 | • भारत में मरूस्थलीय पारितंत्र | 20 |
| • पर्यावरण के संघटक | 1 | 4. टुंड्रा पारितंत्र | 20 |
| • पारिस्थितिकी | 1 | (b) जलीय पारितंत्र | 21 |
| • पारिस्थितिकी का विभाजन | 2 | • जलीय पारितंत्र को प्रभावित करने वाले कारक | 21 |
| • पारिस्थितिकी की विभिन्न शाखाएँ | 3 | • जलीय पारितंत्र के प्रकार | 22 |
| • पारिस्थितिकी संगठन के स्तर | 4 | 1. स्वच्छ जल पारितंत्र (अलवण जलीय पारितंत्र) | 22 |
| • पारितंत्र की विशेषताएँ | 4 | (a) झील पारितंत्र | 22 |
| पारितंत्र के घटक | 5 | • सुपोषण | 23 |
| • जैविक घटक | 5 | • सुपोषण के प्रभाव | 24 |
| • अजैविक घटक | 7 | • सुपोषण के उपाय | 24 |
| कृत्रिम महत्वपूर्ण अजैविक कारकों का विवरण | 7 | • हानिकारक शैवाल प्रस्फुटन | 24 |
| पारितंत्र की सेवाएँ | 8 | • रेड टाइड | 25 |
| पारिस्थितिकी तंत्र के प्रकार | 10-42 | 2. संक्रमण क्षेत्रीय पारितंत्र | 25 |
| अजैविक घटक | 10 | (a) ज्वारनदमुख पारितंत्र | 25 |
| जैविक घटक | 11 | (b) आर्द्रभूमि पारितंत्र | 27 |
| (a) स्थलीय पारितंत्र | 11 | • आर्द्रभूमि के कार्य | 27 |
| • स्थलीय पारितंत्र को प्रभावित करने वाले कारक | 12 | • हास के कारण | 27 |
| 1. वन | 12 | • संरक्षण की विधि | 27 |
| • वन पारितंत्र की विशेषताएँ | 12 | • झील एवं आर्द्रभूमि के मध्य अंतर | 28 |
| वनों के प्रकार | 12 | • झील एवं आर्द्रभूमि की तुलना | 28 |
| (a) उष्णकटिबंधीय वन | 13 | • भारत में आर्द्रभूमि | 29 |
| (i) उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन | 13 | • मैंग्रोव पारितंत्र | 34 |
| (ii) उष्णकटिबंधीय पर्णपाती वन | 13 | • मैंग्रोव पारितंत्र की विशेषताएँ | 35 |
| (b) शीतोष्ण कटिबंधीय वन | 13 | • मैंग्रोव के कार्य | 35 |
| (c) बोरियल या टैगा वन | 14 | • मैंग्रोव की वनस्पति | 35 |
| भारत के वन तंत्र | 15 | • जंतु समुदाय | 35 |
| 2. घास के मैदान | 18 | • भारत में मैंग्रोव वनस्पति | 36 |
| • घास भूमियाँ | 18 | 3. सागरीय पारितंत्र | 37 |
| | | • सागरीय जीव समुदाय | 37 |

| | | | |
|------------------------------------|--------------|--|--------------|
| 1. प्लैंकटन समुदाय | 38 | 3. पारिस्थितिकीय अनुक्रम या पारितंत्र का विकास | 56 |
| • फाइटोप्लैंकटन | 38 | • अनुक्रमण की प्रक्रिया | 57 |
| • प्राणी प्लैंकटन | 38 | • पादपों का अनुक्रमण | 58 |
| 2. नेक्टन समुदाय | 39 | 4. पारितंत्र में समस्थापना | 59 |
| 3. बेन्थस समुदाय | 39 | • जैविक समुदायों में अंतर्क्रिया | 59 |
| • प्रवाल जन्तु | 39 | • अंतःजातीय संबंध | 59 |
| • प्रवाल के विकास की दशाएँ | 39 | • अंतराजातीय संबंध | 60 |
| • प्रवाल भित्ति | 40 | | |
| • प्रवाल भित्ति के प्रकार | 40 | जीवोम | 63-67 |
| • प्रवाल विरंजन | 40 | • जीवोम को प्रभावित करने वाले कारक | 63 |
| • भारत में प्रवाल भित्तियाँ | 41 | • जीवोम का महत्व | 63 |
| • इकोटोन तथा कोर प्रभाव | 42 | • जीवमंडल एवं परिमंडल | 63 |
| • पारिस्थितिकीय निकेत/कर्मता | 42 | जीवोम के प्रकार | 64 |
| पारिस्थितिकी तंत्र के कार्य | 43-62 | 1. दुंडू जीवोम | 64 |
| • पोषण स्तर | 43 | 2. टैगा जीवोम | 64 |
| • खाद्य शृंखला | 45 | 3. शीतोष्ण पर्णपाती वन | 65 |
| • खाद्य जाल | 46 | 4. उष्णकटिबंधीय वर्षा वन | 65 |
| • पारिस्थितिक पिरामिड | 46 | 5. सवाना जीवोम | 66 |
| • पारिस्थितिक दक्षता | 48 | 6. घासस्थल जीवोम | 66 |
| • जैव-संचयन | 49 | 7. मरुस्थलीय जीवोम | 67 |
| • जैव-संचयन के प्रकार | 49 | जैव विविधता | 68-89 |
| • जैव-भूरसायनिक चक्र | 51 | • पृथ्वी पर जैवविविधता का प्रतिरूप (पैटर्न) | 68 |
| 1. गैसीय चक्र | 51 | • जैव विविधता का अन्य प्रतिरूप | 68 |
| • कार्बन चक्र | 51 | जैव विविधता के स्तर | 69 |
| • नाइट्रोजन चक्र | 52 | 1. अनुवांशिक विविधता | 69 |
| • ऑक्सीजन चक्र | 54 | 2. प्रजातीय विविधता | 70 |
| • जल चक्र | 54 | 3. पारितंत्र या सामुदायिक विविधता | 70 |
| 2. अवसादी चक्र | 55 | • जैव विविधता का मापन | 70 |
| • फॉस्फोरस चक्र | 55 | • जैव विविधता ह्रास के कारण | 72 |
| • सल्फर चक्र | 56 | 1. प्राकृतिक कारण | 72 |
| | | 2. मानवीय कारण | 72 |

| | | | |
|---|---------------|--|----------------|
| • जैव विविधता का संरक्षण | 74 | भारत में जंतु विविधता | 91 |
| • जैव विविधता हॉटस्पॉट | 74 | 1. कशेरुकी जंतु | 92 |
| • हॉटेस्ट हॉटस्पॉट | 78 | 2. अकशेरुकी जंतु | 93 |
| भारत में जैव विविधता हॉटस्पॉट | 78 | • रेड डाटा बुक | 94 |
| 1. पूर्वी हिमालय हॉटस्पॉट | 78 | भारत में गंभीर रूप से संकटग्रस्त जंतु | 95 |
| 2. इंडो-बर्मा हॉटस्पॉट | 79 | (a) स्तनधारी | 95 |
| 3. पश्चिमी घाट एवं श्रीलंका हॉटस्पॉट | 79 | (b) सरीसृप | 97 |
| 4. सुण्डालैंड हॉटस्पॉट | 79 | (c) पक्षी | 98 |
| • होप स्पॉट : समुद्री संवेदनशील क्षेत्र | 80 | (d) मछली | 99 |
| • विश्व विरासत स्थल | 80 | • संकटग्रस्त जंतु | 99 |
| • जलग्रहण प्रबंधन हेतु भूमि उपयोग वर्गीकरण | 82 | • पक्षियों का प्रवास | 101 |
| • भूमि के संरक्षित उपयोग में मृदा उपयोगिता (क्षमता) वर्गों की प्रासंगिकता | 82 | वनस्पति विविधता | 101 |
| • भू-संरक्षण एवं विस्तार कार्यकर्ता | 82 | 1. शैवाल | 102 |
| • क्षारीय मृदाओं के लिये | 83 | 2. कवक | 102 |
| • लवणीय मृदाओं के लिये | 84 | 3. टेरिडोफाइट्स | 102 |
| • अन्य वर्गों के लिये | 84 | 4. ब्रायोफाइट्स | 102 |
| • अकृषि योग्य मृदाएँ | 85 | 5. जिम्नोस्पर्म | 102 |
| • काश्तकारों के लिये | 85 | 6. एंजियोस्पर्म | 103 |
| • कम्पार्टमेंट ग्रेजिंग | 86 | • समुद्री घास | 103 |
| • अन्य वर्गों के लिये | 86 | • समुद्री शैवाल | 103 |
| • भू उपयोगिता (क्षमता) वर्ग | 87 | • कीटभक्षी पौधे | 104 |
| • सिल्वी पाश्चर टेक्नोलॉजी | 87 | जैव विविधता का संरक्षण | 105-139 |
| • भू-संरक्षण एवं कृषि विस्तार कार्यकर्ता | 87 | • जैव विविधता संरक्षण की विधियाँ | 105 |
| • अन्य वर्गों के लिये उपयोग | 88 | 1. स्व-स्थाने संरक्षण | 105 |
| • भू उपयोगिता (क्षमता) वर्ग | 89 | (a) राष्ट्रीय उद्यान | 105 |
| भारत में जैव विविधता | 90-104 | • भारत में राष्ट्रीय उद्यान | 106 |
| जैव भौगोलिक इकाईयाँ | 90 | • अन्य प्रमुख राष्ट्रीय उद्यान एवं अभ्यारण्य | 111 |
| 1. पारिक्षेत्र/जैव भौगोलिक क्षेत्र | 90 | • शेष राष्ट्रीय उद्यानों की सूची | 115 |
| 2. जैव भौगोलिक क्षेत्र | 91 | (b) वन्यजीव अभयारण्य | 115 |
| 3. जैव भौगोलिक प्रांत | 91 | • समुद्री संरक्षित क्षेत्र | 116 |

| | | | |
|--|----------------|---|----------------|
| भारत के पवित्र उपवन | 117 | • प्रकाश के साथ अनुकूलन | 141 |
| • पवित्र उपवनों का वर्गीकरण | 117 | • लवणयुक्त पर्यावरण में अनुकूलता | 141 |
| • पारिस्थितिक महत्त्व | 117 | • मितपोषणी मृदा के प्रति अनुकूलन | 141 |
| • पवित्र उपवन को खतरा | 118 | • प्राणियों में जलीय अनुकूलन | 141 |
| • महत्वपूर्ण वन्यजीव आवास | 118 | • पौधों में स्थलीय अनुकूलन | 142 |
| मानव एवं जैवमंडल कार्यक्रम | 118 | • समोद्भिदीय अनुकूलन | 142 |
| • जैवमंडल आगार | 119 | • मरुद्भिदीय अनुकूलन | 142 |
| • BRs के चयन हेतु मानदंड | 120 | • मरुद्भिद प्राणियों (जंतुओं) में अनुकूलन | 142 |
| • जैवमंडल आगार की संरचना | 120 | • अति शीत तथा जलाभाव में जीवित रहने के लिए अनुकूलन | 142 |
| • जैवमंडल आगार के घोषणा की प्रक्रिया | 121 | • जीवों में वायवीय अनुकूलन | 142 |
| • विशेष संरक्षण प्रयास | 127 | | |
| बाघ परियोजना | 127 | प्रदूषण | 144-186 |
| • राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण | 127 | • वायु प्रदूषण | 145 |
| प्रोजेक्ट एलीफेंट | 133 | • द्वितीयक वायु प्रदूषक | 147 |
| • हाथियों की अवैध हत्या की निगरानी कार्यक्रम | 135 | भीतरी/घरेलू वायु प्रदूषण | 148 |
| गिद्ध संरक्षण प्रोजेक्ट | 136 | (a) ग्रामीण क्षेत्रों में | 148 |
| • भारतीय गिद्धों की मौत के कारण | 136 | • फ्लाई एश | 149 |
| • भारत में गिद्धों का कैसे संरक्षित करें | 136 | • वायु प्रदूषण का नियंत्रण | 150 |
| • मगरमच्छ संरक्षण परियोजना | 137 | • कणकीय पदार्थ का नियंत्रण | 150 |
| • लाल पांडा परियोजना | 137 | • गैसीय वायु प्रदूषकों को नियंत्रित करने की विधियाँ | 150 |
| • ड्यूगोंग | 137 | • सरकारी पहल | 151 |
| • डॉल्फिन | 137 | • भारत उत्सर्जन मानक | 153 |
| • हिम तेंदुआ परियोजना | 137 | जल प्रदूषण | 154 |
| • समुद्री कछुआ परियोजना | 138 | • जल प्रदूषण के स्रोत | 155 |
| • कछुआ अभयारण्य इलाहाबाद | 138 | • पर्यावरणीय प्रदूषण | 155 |
| • हंगुल परियोजना | 138 | दूषित जल उपचार संयंत्र | 157 |
| • गैंडा परियोजना | 138 | a. ऑक्सी उपचार | 157 |
| • IRV-20 इंडियन राइनो विजन- 2020 | 138 | b. अनाक्सी उपचार | 158 |
| • मगरमच्छ प्रजनन एवं प्रबंधन परियोजना | 138 | 3. तृतीयक उपचार | 158 |
| | | • भू-जल प्रदूषण | 159 |
| नुकूलन | 140-143 | • समुद्री प्रदूषण | 161 |
| • प्राणियों में अनुकूलता की कार्यनीति | 140 | • मृदा प्रदूषण | 163 |
| • पौधों में जलीय अनुकूलन | 140 | • ठोस अपशिष्ट | 164 |
| | | • अपशिष्ट का प्रबंधन | 165 |

| | | | |
|--|------------|---|----------------|
| अपशिष्ट का सुरक्षित निस्तारण क्यों महत्वपूर्ण है? | 165 | विकिरण प्रदूषण | 181 |
| • कंपोस्टिंग के लाभ | 166 | • रेडियोधर्मी प्रदूषण | 182 |
| • अजैविक अपशिष्ट | 166 | • यूरेनियम खनन | 183 |
| • तरल अपशिष्ट | 166 | • रेडियोधर्मिता का मानव जीवन पर प्रभाव | 183 |
| • घरेलू ग्रे पानी प्रबंधन | 166 | • रेडियोधर्मिता का जलीय जीवन पर प्रभाव | 183 |
| • किचन गार्डन | 167 | • रेडियोधर्मिता का मृदा पर प्रभाव | 184 |
| • सोक पिट | 167 | • रेडियोधर्मिता का वायुमंडलीय प्रभाव | 184 |
| • लीच पिट | 167 | • परमाणु कचरे का निपटान | 184 |
| • सामुदायिक ग्रे पानी प्रबंधन | 167 | • जैव उपचार | 185 |
| भारत में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन | 171 | प्राकृतिक पर्यावरण का अवक्रमण | 187-195 |
| • शहरी और औद्योगिक कचरे के नियंत्रण के उपाय | 172 | • प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन द्वारा पर्यावरणीय अवक्रमण का होना | 187 |
| • प्लास्टिक प्रदूषण | 173 | • जनसंख्या वृद्धि को बढ़ावा देने वाले कारक | 188 |
| ध्वनि प्रदूषण | 174 | • जनसंख्या वृद्धि का पर्यावरण पर पड़ता प्रभाव | 188 |
| • ध्वनि प्रदूषण के कारण | 174 | • वनोन्मूलन और उसके परिणाम | 188 |
| • ध्वनि प्रदूषण के प्रभाव | 175 | • वनोन्मूलन के कारण | 189 |
| • ध्वनि प्रदूषण की रोकथाम एवं नियंत्रण | 175 | • वनोन्मूलन के प्रभाव | 190 |
| प्रकाश प्रदूषण | 176 | • खनन द्वारा पर्यावरण का अवक्रमण | 190 |
| • प्रकाश प्रदूषण के प्रभाव | 176 | • औद्योगीकरण द्वारा पर्यावरण अवक्रमण | 190 |
| ई-कचरा | 177 | • आधुनिक कृषि द्वारा पर्यावरण अवक्रमण | 190 |
| • क्या है ई-कचरा | 177 | • शहरीकरण द्वारा पर्यावरण अवक्रमण | 191 |
| • ई-वेस्ट का सुरक्षित उपचार एवं निस्तारण की विधियाँ | 178 | • आधुनिक प्रौद्योगिकी का पर्यावरण पर प्रभाव | 191 |
| • ई-वेस्ट प्रबंधन | 178 | • पर्यावरणीय समस्याएँ | 192 |
| • पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए खतरनाक | 179 | • मरुस्थलीकरण | 194 |
| • ई-वेस्ट पर बना कानून | 179 | • भूमि अवनयन व मरुस्थलीकरण के कारण | 194 |
| • नोएडा में कंपनियों के कस्टमर केयर को ही नहीं जानकारी | 179 | • प्राकृतिक कारण | 194 |
| • नोएडा में सालाना निकल रहा 22 हजार मीट्रिक टन ई-वेस्ट | 179 | • अन्य कारक | 194 |
| • ई-कचरा प्रबंधन संशोधन नियम 2018 की कुछ मुख्य विशेषताएँ इस प्रकार हैं | 180 | • मानव जनित कारक | 195 |
| • ई-कचरा पैदा करने वाले दुनिया के टॉप 5 देशों में भारत: रिपोर्ट | 181 | पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन | 196-198 |
| | | • पर्यावरणीय प्रभाव समीक्षा के कानूनी आधार | 196 |
| | | • पर्यावरणीय अनुमति | 196 |
| | | • ई.आई.ए. के पर्यावरणीय घटक | 197 |

| | | | |
|--------------------------------------|-----|---------------------------------------|-----|
| • ई.आई.ए. प्रक्रिया व प्रणालियाँ | 197 | • रोकथाम हेतु अंतर्राष्ट्रीय प्रयास | 223 |
| • EIA प्रक्रिया को किये जाने की विधि | 197 | • किगाली समझौता | 223 |
| • ई.आई.ए. प्रक्रिया के चरण | 198 | • समझौते की विशेषताएँ | 224 |
| • ई. आई. ए. के मुख्य भागीदार | 198 | • हाइड्रोफ्लोरोकार्बन्स (एच.एफ.सी.) | 224 |

जलवायु परिवर्तन 199-216

| | |
|---|-----|
| • प्राकृतिक कारण | 199 |
| • अन्य कारक | 199 |
| • हरित गृह प्रभाव | 200 |
| • हरित गृह प्रभाव कैसे काम करता है? | 200 |
| • वैश्विक जलवायु परिवर्तन के संभावित प्रभाव | 202 |
| • शमन रणनीति | 206 |
| • कार्बन की प्राप्ति, भंडारण एवं उपयोग की प्रौद्योगिकियाँ | 206 |
| • भू-अभियांत्रिकी | 208 |
| • भारत द्वारा अपनाई गई शमन रणनीतियाँ | 209 |
| • भारत की हरित पहलें | 210 |
| • जलवायु अनुरूप कृषि पर राष्ट्रीय नवाचार | 215 |
| • राष्ट्रीय संचार (नेशनल कम्युनिकेशन) | 215 |
| यूएनएफ- सीसीसी को सौंपी गई | |
| • वनोन्मूलन एवं वनीय हास से उत्पन्न उत्सर्जन को कम करना | 216 |

अम्ल वर्षा 217-218

| | |
|---------------------------------|-----|
| • अम्ल वर्षा | 217 |
| • अम्ल वर्षा के हानिकारक प्रभाव | 218 |
| • जलीय जीवन पर प्रभाव | 218 |

ओजोन परत का अपक्षय 219-225

| | |
|---------------------------------------|-----|
| • ओजोन परत की संरचना | 219 |
| • पराबैंगनी किरण vs ओजोन परत | 219 |
| • ओजोन परत के अपक्षय के कारण | 219 |
| • ओजोन परत के क्षरण के मुख्य कारक | 220 |
| • O ₃ परत अपक्षय का प्रभाव | 221 |

दीर्घोपयोगी कृषि 226-235

| | |
|---|------------|
| दीर्घोपयोगी कृषि की विधियाँ | 226 |
| 1. मिश्रित फसल उगाना या दिग्-परिवर्तित कृषि | 226 |
| 2. फसलों का चक्रीकरण | 227 |
| • जैविक खादें और उनका कृषि में उपयोग | 228 |
| • महत्वपूर्ण जैविद खादें | 229 |
| • जैविक कृषि व उसके लाभ | 230 |
| • पर्माकल्चर | 231 |
| • क्लाइमेट स्मार्ट एग्रीकल्चर (CSA) | 231 |
| • वर्मीकम्पोस्ट | 231 |
| • एकीकृत पीड़क प्रबंधन | 232 |
| • जैव प्रौद्योगिकी व आधुनिक कृषि प्रणाली | 233 |
| • GM उत्पादों के लाभ एवं विवाद | 234 |
| संरक्षण कृषि | 235 |
| शून्य बजट प्राकृतिक कृषि | 235 |
| गोबरधन योजना | 235 |

भारत में पर्यावरण संबंधित कानून एवं नीतियाँ 236-265

| | |
|---|-----|
| • जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 तथा 1977 | 236 |
| • वन संरक्षण अधिनियम, 1980 | 239 |
| • अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परंपरागत वन निवासी अधिनियम, 2006 | 239 |
| • नवीन आर्द्रभूमि संरक्षण नियम | 240 |
| • जैवविविधता अधिनियम 2002 | 241 |
| • सन् 1986 का पर्यावरण (बचाव) कानून | 241 |
| • राष्ट्रीय पर्यावरण नीति, 2016 | 242 |
| • CAMPA (प्रतिपूरक वनीकरण बिल) | 243 |

| | | | |
|---|----------------|--|----------------|
| • राष्ट्रीय नदी संरक्षण योजना | 243 | • राष्ट्रीय गंगा नदी बेसिन प्राधिकरण (NGRBA) | 271 |
| • पारितंत्र सेवा उन्नयन परियोजना | 244 | • टाटा ऊर्जा शोध संस्थान (TERI) | 273 |
| • भारतीय एकीकृत तटीय क्षेत्र प्रबंधन (ICZM) परियोजना | 244 | • बॉम्बे प्राकृतिक इतिहास सोसाइटी (बीएनएचएस) | 273 |
| • सिक्कोर हिमालय | 246 | • भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण | 273 |
| • पारिस्थितिकीय रूप से संवेदनशील क्षेत्र (ESZ) | 246 | • भारतीय वन सर्वेक्षण | 274 |
| • वैश्विक पर्यावरण सुविधा (जीईएफ) भारत | 246 | • विज्ञान और पर्यावरण केंद्र, नई दिल्ली | 275 |
| • पर्यावरणीय सूचना प्रणाली (ENVIS) | 247 | • सी पी आर इनवायरमेंटल एजुकेशन सेंटर, चेन्नई | 275 |
| • ग्लोब | 247 | • उत्तराखंड सेवा निधि, अल्मोड़ा | 275 |
| • नमामि गंगे कार्यक्रम | 247 | • कल्पवृक्ष, पुणे | 275 |
| • गंगा नदी (कायाकल्प, संरक्षण एवं प्रबंधन) प्राधिकार आदेश, 2016 | 248 | • पर्यावरण शिक्षा केंद्र, अहमदाबाद | 275 |
| • ग्रीन लाइसेंस प्लेट 64 | 249 | • भारतीय विद्यापीठ इंस्टीट्यूट ऑफ इन्वायरमेंट एजुकेशन एंड रिसर्च, पुणे | 275 |
| • सिंधु डॉल्फिन की पहली संगठित जनगणना | 250 | • मद्रास क्रोकोडाइल बैंक ट्रस्ट | 276 |
| • जैव ईंधन पर राष्ट्रीय नीति-2018 | 252 | • सलीम अली सेंटर फॉर आर्निथोलॉजी एंड नेचुरल हिस्ट्री, कोयम्बटूर | 276 |
| • ग्रीन स्कल डेवलपमेंट प्रोग्राम | 253 | | |
| • कार्वाई के लिए अंतर्राष्ट्रीय दशक 2018-28 | 254 | अंतर्राष्ट्रीय संगठन | 279-287 |
| • पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक 2018 | 257 | • संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम | 279 |
| • बांध सुरक्षा विधेयक-2018 | 258 | • ग्रीन क्लाइमेट फंड | 281 |
| • आंतरिक जलवायु प्रवासन पर रिपोर्ट | 263 | • हेली (HELI) | 281 |
| • वन रिपोर्ट-2017 | 264 | • दीर्घोपयोगी विकास आयोग (CSD) | 281 |
| भारत में पर्यावरण संबंधी संगठन/संस्थाएँ | 266-278 | • प्रकृति संरक्षण हेतु अंतर्राष्ट्रीय संगठन | 282 |
| • केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण | 266 | • वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर (WWF) | 283 |
| • भारतीय पशु कल्याण बोर्ड | 266 | • अंतर्राष्ट्रीय उष्णकटिबंधीय काष्ठ संगठन | 284 |
| • वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो (WCCB) | 267 | • अंतर्राष्ट्रीय जल प्रबंधन संस्थान | 284 |
| • केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) | 267 | • यूनाइटेड नेशन फोरम ऑन फारेस्ट | 285 |
| • राष्ट्रीय वनीकरण एवं पारिस्थितिकी विकास बोर्ड | 269 | • बर्ड लाइफ इंटरनेशनल | 285 |
| • कार्यक्रम, स्कीम, परियोजना का नाम | 269 | • वर्ल्ड नेचर ऑर्गनाइजेशन | 285 |
| • पारिस्थितिकीय विकास बल (ई.डी.) स्कीम | 270 | • वर्ल्डवाच इंस्टिट्यूट | 285 |
| • राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (NGT) | 270 | • वर्ल्ड रिसोर्सेस इंस्टिट्यूट | 285 |
| • जैव विविधता कानून, 2002 | 271 | | |

| | | | |
|---|----------------|---|-----|
| • वर्ल्ड कंजर्वेशन मॉनिटरिंग सेंटर | 285 | • खराई ऊँट | 297 |
| • डेवलपमेंट ऑल्टरनेटिव्स | 286 | • ओरांग टाइगर रिजर्व | 297 |
| • “मोमेंटम फॉर चेंज: क्लाइमेट न्यूट्रल नाउ” | 287 | • संयुक्त राष्ट्र महासागर सम्मेलन | 297 |
| • ‘जलवायु-अनुकूल कृषि के लिए वैश्विक सहबंध’ | 287 | • देश का पहला जैव विविधता विरासत स्थल | 298 |
| सतत पोषणीय विकास | 288-291 | • भारत की जैव विविधता में वृद्धि | 298 |
| • पृथ्वी शिखर सम्मेलन, 1992 | 289 | • गोवा में नए जैव विविधता क्षेत्र | 298 |
| • ऐजेंडा 21 | 289 | • ग्रीन बिल्डिंग रेटिंग प्रणाली | 298 |
| • संयुक्त राष्ट्र संवहनीय विकास लक्ष्य | 290 | • घायल वन्यजीवों हेतु बचाव स्थल | 299 |
| समसामयिकी एवं विविध | 292-318 | • ग्रीन ग्रोथ इंडिकेटर, 2017 | 299 |
| • ओलिव रिडले कछुए | 292 | • जलवायु परिवर्तन | 299 |
| • हक्की हब्बा | 292 | • ऊर्जा संरक्षण भवन कोड 2017 | 299 |
| • हिरण के सींग | 292 | • IPCC की चौथी रिपोर्ट (मुख्य बिंदु) | 300 |
| • जिंजीबर स्यूटोस्क्वेरेसम | 293 | • जलवायु परिवर्तन पर IPCC की पाँचवीं रिपोर्ट | 300 |
| • केरल का चिकित्सकीय पौधा | 293 | • बस्टर्ड प्रजनन केन्द्र | 300 |
| • इरावदी डॉल्फिन | 293 | • ब्लैक नेक्ड क्रैन | 301 |
| • फूड लैग्यूम्स रिसर्च प्लैटफॉर्म (FLRP) | 293 | • भारतीय जंगली कुत्ते (ढोल) | 301 |
| • जीलैंडिया : एक नया महाद्वीप | 293 | • भारतीय स्टार कछुए | 301 |
| • विश्व की पहली ट्रांजिट रेटिंग प्रणाली | 294 | • सुंदरवन के मैंग्रोव वन | 301 |
| • रिप ज्वार | 294 | • मैंग्रोव फॉर फ्यूचर | 301 |
| • टू-पिट समाधान | 294 | • 15वीं वन रिपोर्ट 2017 | 302 |
| • न्यूट्रीनो प्रोजेक्ट एवं ग्रीन नोड | 295 | • ज्वलनशील बर्फ | 302 |
| • नदियों को जीवित व्यक्ति का दर्जा | 295 | • अमूर फाल्कन | 302 |
| • बारहसिंगा का संरक्षण | 295 | • प्रिमरोज विलो | 303 |
| • गंगा डॉल्फिन की गणना | 295 | • कोबरा लिली | 303 |
| • अर्थ ऑवर | 296 | • हिम तेंदुआ | 303 |
| • शहतूश व्यापार | 296 | • एक सींग वाले गैंडों के लिए विशेष सुरक्षा बल | 303 |
| • वृक्ष पर रहने वाले केकड़े की प्रजाति | 296 | • सफेद बाघ | 303 |
| • राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण का आदेश | 296 | • एयरोसोल एवं भारतीय मॉनसून | 304 |
| • रिवर पाइरेसी | 296 | • संदूषकों को साफ करने में सूक्ष्मजीव का प्रयोग | 304 |
| • निशुल्क सोलर रूफटॉप्स | 296 | • बाघों के विचरण हेतु इको-ब्रिज | 304 |
| • अमोनिया हॉटस्पॉट्स | 297 | • छठी सामूहिक विलोपन | 304 |
| | | • जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूची | 305 |

| | | | |
|---|-----|--|----------------|
| • सल्फर डाइऑक्साइड उत्सर्जन | 306 | • गोल्डेन माहशीर | 313 |
| • CAMPA | 306 | • विश्व पृथ्वी दिवस | 313 |
| • पेट्रोलियम-कोक एवं फर्नेस तेल | 306 | • मरुस्थलीकरण का सामना करने हेतु संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (UNCCD) | 314 |
| • पेट-कोक | 306 | • म्यांमार का पहला बायोस्फियर रिजर्व | 314 |
| • प्रदूषण संबंधी मृत्यु | 306 | • 'राष्ट्रीय स्वच्छ वायु' कार्यक्रम | 314 |
| • गिद्ध संरक्षण | 307 | • साल नदी | 314 |
| • टेनसैट सैटेलाइट | 307 | • भारत का प्रथम 'कीट संग्रहालय' | 314 |
| • इलाहाबाद में कछुआ अभयारण्य | 307 | • 'पुंगनूर' गाय | 314 |
| • अरब सागर के तापमान में वृद्धि | 307 | • विश्व का सबसे बड़ा उष्णकटिबंधीय पीट भूमि क्षेत्र | 314 |
| • अर्थओवरशूट दिवस | 308 | • वैश्विक कार्बन उत्सर्जन 2017 में रिकार्ड उच्च स्तर पर | 315 |
| • CO ₂ के उत्सर्जन में एल-नीनो की भूमिका | 308 | • तिलोमेरा नागालैण्ड प्रजाति | 315 |
| • हाथी जनगणना | 308 | • विश्व वन्यजीव दिवस | 315 |
| • पॉलीमेटेलिक नोड्यूल का अन्वेषण | 308 | • सागर में मृत क्षेत्र | 315 |
| • मिशन नवाचार | 309 | • खुंग लोच | 315 |
| • कार्बोफिक्स परियोजना | 309 | • जलवायु सुरक्षित गांव | 316 |
| • सीमा-पारीय मानस संरक्षण क्षेत्र-TraMCA | 309 | • दहनशील बर्फ | 316 |
| • बायोमास ऊर्जा | 309 | • DM-11 | 316 |
| • बायोमास के स्रोत | 310 | • हरित कौशल विकास कार्यक्रम | 316 |
| • बायोमास के उपयोग | 310 | • वैश्विक शहरी वायु प्रदूषण पर रिपोर्ट | 316 |
| • बायोमास ऊर्जा के लाभ | 310 | • वायु डिवाइसेज | 317 |
| • बायोईंधन के रूप में खोई | 310 | • वन्यजीव संरक्षण के लिए भारत का पहला अनुवांशिक बैंक | 317 |
| • पेट्रोक्रॉप | 311 | • इंडिया कूलिंग एक्शन प्लान (ICAP) | 317 |
| • हाइड्रोजन ऊर्जा | 311 | • जैव ईंधन पर राष्ट्रीय नीति | 318 |
| • ईंधन सेल तकनीक | 312 | | |
| • ईंधन सेल तकनीक एवं वायुमण्डल | 312 | | |
| • फ्लू गैस विगंधकन सिस्टम | 313 | | |
| • चेंगलीकोदान केला को भौगोलिक संकेतक का दर्जा | 313 | | |
| • अटापका पक्षी अभयारण्य | 313 | | |
| | | पर्यावरण से संबंधित महत्वपूर्ण शब्दावली | 319-334 |
| | | • शब्दावली | 319-334 |